

उपलब्धि

इंटरैक्टिव प्लेटफॉर्म बनाने के लिए पुरस्कार जीता

आईआईटी इंदौर ने 500 डॉलर के अनुदान के साथ बेस्ट चैप्टर अवॉर्ड

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स नैनो टेक्नोलॉजी काउंसिल (आईट्रिपल ई एनटीसी) स्टूडेंट चैप्टर आआईटी इंदौर ने 500 डॉलर के अनुदान के साथ 2021 बेस्ट चैप्टर अवार्ड जीता। टीम ने नैनो टेक्नोलॉजी और इसके वैज्ञानिक, इंजीनियरिंग और औद्योगिक अनुप्रयोगों के डिजाइन और विकास को शामिल करने के लिए एक इंटरैक्टिव प्लेटफॉर्म बनाने के लिए पुरस्कार जीता। टीम ने कई पहल की जैसे सौर सेल पर कार्यशाला का आयोजन, अनुसंधान संगोष्ठी जहां कई उद्योग विशेषज्ञों और शोध विद्वानों ने अपना काम प्रस्तुत किया और गैस सेंसर, हाइड्रोजन उत्पादन, क्वांटम कंप्यूटिंग, ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, मीकैट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण जैसे विषयों का वेबिनार किया।



ताकि बढ़ा सके नैनो टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में चल रहे काम को: आईईईई नैनोटेक्नोलॉजी काउंसिल (एनटीसी) एक बहु-अनुशासनात्मक समूह है। इसका

इंटरैक्टिव प्लेटफॉर्म बनाने पर चल रहा काम

आईट्रिपल ई एनटीसी स्टूडेंट अध्याय आईआईटी इंदौर के पदाधिकारी, प्रो शैबल मुखर्जी (काउंसलर), संजय कुमार (संस्थापक सदस्य), मयंक दुबे (अध्यक्ष), पवन कुमार (उपाध्यक्ष), रुचि सिंह (सचिव), सुमित चौधरी (कोषाध्यक्ष) और सोरभ यादव (वेबमास्टर) हैं। टीम युवा पेशेवरों, शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों और इंजीनियरों के लिए सेमीकंडक्टर, नैनोइलेक्ट्रॉनिक, ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स, फोटोवोल्टिक, बायोमेडिकल सेंसर और मेमोरी डिवाइस के डोमेन में चर्चा, अन्वेषण और सहयोग करने के लिए एक इंटरैक्टिव प्लेटफॉर्म बनाने पर काम कर रही है।

उद्देश्य वैज्ञानिक, साहित्यिक और शैक्षिक क्षेत्रों में पूरे आईट्रिपल ई में किए गए नैनो टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में काम को आगे बढ़ाना और समन्वय करना है। परिषद, नैनो प्रौद्योगिकी के सिद्धांत, डिजाइन और विकास और इसके वैज्ञानिक, इंजीनियरिंग और औद्योगिक अनुप्रयोगों का समर्थन करती है। आईट्रिपल ई एनटीसी स्टूडेंट अध्याय विशिष्ट व्याख्याता कार्यक्रमों, मिनी

बोलचाल और विभिन्न सम्मेलनों, वेबिनार और कार्यशालाओं के प्रायोजन/सह-प्रायोजन, सदस्यता अभियान, साथियों के साथ नेटवर्क के अवसर, पर्यावरण जागरूकता अभियान और सतत विकासात्मक विकास के उद्देश्य से प्रचार गतिविधियां जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करके तकनीकी क्षेत्र में सक्रिय रूप से शामिल है।